आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बीच डोनर एग्रीमेंट

स्रोत: पी.आई.बी.

आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जुलाई 2024 में **जिनेवा** में WHO मुख्यालय में आयोजित एक हस्ताक्षर समारोह में एक **दाता समझौते** (Donor Agreement) पर हस्ताक्षर किये।

- यह समझौता गुजरात के जामनगर में WHO ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर (GTMC) की गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिये **वित्तीय शर्तों** की रूपरेखा तैयार करता है।
- इसमें **WHO ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर** को साक्ष्य-आधारित परंपरागत पूरक और एकीकृत चिकित्सा **(Traditional Complementary and Integrative Medicine- TCIM)** के लिये ज्ञान के एक प्रमुख स्रोत के रूप में स्वीकार किया गया है, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों और धरती के स्वास्थ्य तथा कल्याण को आगे बढ़ाना है।
- इस सहयोग के माध्यम से, भारत गुजरात के जामनगर में WHO ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर (GTMC) के संचालन का समर्थन करने के लिये **10 वर्षों (2022-2032)** की अवधि में **85 मिलियन अमेरीकी डॉलर** का दान देगी।
- गुजरात के जामनगर में **WHO ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर** की स्थापना समग्र विश्व में पारंपरिक चिकित्सा के **पहले** और **एकमात्र वैश्विक आउट-पोस्ट सेंटर (कार्यालय)** को चिह्नित करता है।
- पारंपरिक चिकित्सा में **आरोग्य रहने** और **शारीरिक** एवं **मानसिक रोगों** के उपचार के लिये उपयोग की जाने वाली विभिन्न संस्कृतियों के **ज्ञान, कौशल तथा अभ्यास** शामिल हैं।
- भारत में पारंपरिक चिकित्सा की **छह मान्यता प्राप्त पद्धतियाँ** हैं अर्थात् आयुर्वेद, **सिद्ध, यूनानी,** योग**, प्राकृतिक चिकित्सा और** होम्योपैथी।

//

और पढ़ें: पारंपरिक चिकित्सा के लिये वैश्विक केंद्र: गुजरात

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/donor-agreement-between-ayush-ministry-and-who